दिनांक: 26 अगस्त 2025

12वाँ दीक्षांत समारोह
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना

माननीय प्रो. टी. एन. सिंह प्रभारी अध्यक्ष अधिशासी मण्डल और निदेशक आईआईटी पटना का उदबोधन..

यह मेरे लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि मैं हमारे माननीय मुख्य अतिथि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के शिल्पकार, भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी का हार्दिक स्वागत करूँ।

हमारे विशिष्ट अतिथि श्री नित्यानंद राय जी, माननीय राज्य मंत्री (गृह मंत्रालय); हमारे विशेष अतिथि श्री गिरिराज सिंह जी, माननीय टेक्सटाइल मंत्री, भारत सरकार; श्री शंकरानंद जी, भारतीय शिक्षा मंडल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री ।

श्रोताओं में हमें सामाजिक कार्यक्षेत्र से भी विशिष्ट अतिथि प्राप्त हुए हैं, साथ ही पद्मश्री श्री जे. के. सिंह जी, इस क्षेत्र के पूर्व सांसद; श्री राम कृपाल जी; विधायक श्री चौरसिया जी; अन्य विशिष्ट अतिथि; बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और सीनेट के सदस्य; हमारे माननीय अतिथि और मीडिया के सदस्य; मेरे सम्मानित सहकर्मी और सबसे बढ़कर इस समारोह के सितारे–हमारे प्रतिभाशाली स्नातक विद्यार्थी उपस्थित हैं। मैं आप सभी का गहन आत्मीयता और श्रद्धा के साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के 12वें दीक्षांत समारोह में स्वागत करता हूँ।

दीक्षांत समारोह सदैव गर्व का क्षण होता है- एक ऐसा अवसर जो न केवल हमारे स्नातक विद्यार्थियों और उनके नियुक्ति परिणामों का उत्सव मनाता है, बल्कि हमारे संस्थान की निरंतर प्रगति का भी साक्षी बनता है।

इस वर्ष, आईआईटी पटना ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। हम वैश्विक स्तर पर 601-800 रैंक और एशिया में 160वाँ स्थान प्राप्त करने में सफल रहे हैं। हमने भौतिक विज्ञान में 501-600 श्रेणी में सुधार किया है, अभियांत्रिकी विज्ञान में एनआईआरएफ रैंकिंग में 34वाँ स्थान प्राप्त किया है और एआरआईआईए बैंड ऑफ एक्सीलेंस श्रेणी में भी स्थान बनाया है।

आईआईटी पटना विविध शैक्षणिक कार्यक्रम प्रस्तुत करता है: 12 बी.टेक/बी.एस. कार्यक्रम, 8 समेकित बी.टेक-एम. टेक कार्यक्रम, 12 समेकित बी.टेक-बी.एस.-एमबीए कार्यक्रम, 17 एम. टेक कार्यक्रम और 3 एम.एस. सी. कार्यक्रम। सभी विभाग सक्रिय शोधपूर्ण डॉक्टरेट कार्यक्रम भी संचालित करते हैं।

वर्तमान में, संस्थान लगभग 4214 नियमित विद्यार्थियों की मेज़बानी कर रहा है- 2787 स्नातक स्तर पर, 481 स्नातकोत्तर स्तर पर, 144 एम.एस. सी. स्तर पर और 802 पीएचडी स्तर पर।

हमारा विशेष अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र उल्लेखनीय रूप से विकसित हुआ है। जियोमैटिक्स इंजीनियरिंग प्रयोगशाला, स्पेशल एनालिटिक्स एंड रिमोट सेंसिंग हब, और फायर टेस्टिंग, प्रशिक्षण और अनुसंधान हेतु उत्कृष्टता केंद्र अब पूर्ण रूप से सक्रिय हैं।

इस वर्ष का एक प्रमुख मील का पत्थर यह रहा कि आईआईटी पटना को नासा-इसरो निसार उपग्रह कैलिब्रेशन के लिए मेजबान स्थल चुना गया, जिसमें 4 मार्च 2025 को कॉर्नर रिफ्लेक्टर स्थापित किया गया।

केंद्रीय पुस्तकालय अब एक सशक्त ज्ञान केंद्र बन गया है, जिसमें 29,000 से अधिक मुद्रित पुस्तकें, 50 ई-संसाधन पैकेज और 4600 से अधिक नई ई-पुस्तकें उपलब्ध हैं।

शैक्षणिक क्षमता का प्रतिबिंब यह है कि केवल इस वर्ष आईआईटी पटना ने 7,976 स्कोपस-सूचीबद्ध प्रकाशन किए, जिनमें 1934 शोध-पत्र केवल हमारे प्राध्यापकों के रहे।

मई 2024 से अगस्त 2025 के बीच, आईआईटी पटना ने विभिन्न एजेंसियों से 73 प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ हासिल कीं, जिनका मूल्य 5 करोड़ रुपये से अधिक रहा। ये मुख्यतः स्वच्छ ऊर्जा, पदार्थ विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और बुनियादी ढाँचे के क्षेत्रों से संबंधित थीं।

परामर्श गतिविधियों से 153 परियोजनाओं में 4 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त हुए, जिनमें 84% योगदान उद्योग से था। इस प्रकार, कुल मिलाकर 8 करोड़ रुपये से अधिक का सृजन हुआ, जो मौलिक और अनुप्रयुक्त शोध के बीच सशक्त संतुलन दर्शाता है।

हमारा इनक्यूबेशन सेंटर, जो 2016 में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और बिहार सरकार के सहयोग से स्थापित हुआ था, आज नवाचार का अग्रणी केंद्र बन चुका है। इसने 200 से अधिक स्टार्टअप्स, 62 उत्पाद लॉन्च, 41 पेटेंट और कई राष्ट्रीय मान्यताएँ प्राप्त की हैं। चरण-II के अंतर्गत इसे बिहार के चार नए केंद्रों तक विस्तारित किया गया है।

वीआई हब फाउंडेशन, जो राष्ट्रीय अंतर्विषयी साइबर-भौतिक प्रणाली मिशन के अंतर्गत स्थापित हुआ, ने वाणी, वीडियो और पाठ विश्लेषण में उद्यमिता को प्रोत्साहित किया है। आइकॉन, निश्लिति, आद्या, शोगो नेटवर्क जैसे स्टार्टअप पहले ही इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षित कर समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं।

हमारे विद्यार्थियों ने शोध में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, नए माइनर डिग्री अवसर प्राप्त किए हैं और संस्थान का पहला रिसर्च कॉन्क्लेव आयोजित किया है। एनएसएस के माध्यम से उनकी सामाजिक सेवाएँ और जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत प्रभावशाली रहे हैं।

तकनीकी नवाचार जैसे आईआईटीपी ऐप और कोवेलेंस की उपलब्धि इंटर-आईआईटी टेक मीट में, साथ ही खेल सुविधाओं और कल्याण योजनाओं में बड़े निवेश जैसे- रीयल-टाइम बस ट्रैकिंग, सैनिटरी वेंडिंग मशीन और योगा क्लब–आईआईटी पटना की शिक्षा और कल्याण की समग्र दृष्टि को प्रदर्शित करते हैं, जो केवल परिसर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विस्तृत स्तर तक भी फैला हुआ है।

वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर, आईआईटी पटना ने आईआईएम बोधगया, ग्रेट इंडिया ईस्टर्न रीजनल लोड डिस्पैच सेंटर, इंस्टीट्यूट नैशनल पॉलीटेक्निक, फ्रांस ब्रेवो फार्मा, स्टील संस्थान, विकास विभाग और यूनिवर्सिटी ऑफ डेटन (अमेरिका) जैसी संस्थाओं के साथ साझेदारी को और मजबूत किया है। डेटन विश्वविद्यालय के साथ सहयोग के अंतर्गत अब इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स में प्रत्यक्ष मास्टर्स पाथवे उपलब्ध है। बीआईएस कॉर्नर और बीआईएस छात्र चैप्टर की स्थापना ने हमारे मानकों और उद्योग से जुड़ाव के प्रति प्रतिबद्धता को और सशक्त किया है।

2024-25 का प्लेसमेंट सीज़न अब तक के सबसे सफल सत्रों में रहा–582 जॉब ऑफर्स, जिनमें 10 अंतर्राष्ट्रीय जॉब ऑफर्स शामिल थीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 70% की वृद्धि दर्शाती हैं।

94 प्री-प्लेसमेंट ऑफ़र, 123% वृद्धि के साथ; और 225 प्रतिष्ठित कंपनियों की भागीदारी, जिनमें गूगल, अमेज़न, जेपी मॉर्गन, सैमसंग, बीपीसीएल सम्मिलित हैं। हमारे बी.टेक स्नातकों ने 25 लाख रुपये से अधिक का औसत सीटीसी प्राप्त किया, एम.टेक छात्रों ने लगभग 20 लाख रुपये और एम.एस.सी. छात्रों ने इस बार 100% नियुक्ति हासिल की।

ये उपलब्धियाँ न केवल उद्योग का विश्वास दर्शाती हैं, बल्कि हमारी शिक्षा, शोध और नवाचार के उच्च मानकों का भी प्रमाण हैं।

हमारे प्राध्यापक निरंतर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने शोध, नेतृत्व और पेशेवर सेवाओं के माध्यम से संस्थान को गौरव दिला रहे हैं।

- **डॉ. ए. के. वर्मा (सिविल इंजीनियरिंग विभाग) को प्रोफेसर एच. आर. एन. ई. रेड्डी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।**
- **डॉ. वैभव सिंघल ने एसीआरबी राष्ट्रीय शोध फेलोशिप प्राप्त की।**
- **डॉ. मनीष वाज़ को दक्षिण-पूर्व विश्वविद्यालय, चीन में धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी के आमंत्रित प्राध्यापक के रूप में नियुक्त किया गया। उन्हें सिरेमिक फ्यूल सेल पर अपने अग्रणी कार्य हेतु 2024 उत्कृष्ट शोध-पत्र पुरस्कार भी मिला।**
- **विद्युत अभियांत्रिकी में, डॉ. अभिनय ने आईसीई 2025 में श्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार अर्जित किया और ब्रिक्स युवा वैज्ञानिक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। डॉ. अमित कुमार ने भारत 6-जी टेस्ट बैंड परियोजना का नेतृत्व किया।**
- **वे आईईईई एंटीना एंड प्रोपेगेशन सोसाइटी सिक्योरिटी टेक्निकल कमेटी में भी सम्मिलित किए गए।**
- **कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग से, डॉ. शिपर्णा शाह को आईएनएसए डिस्टिंग्विश्ड लेक्चरर फेलो (2025) और एसीएम इंडिया विमेन काउंसिल में चार वर्षीय नियुक्ति प्राप्त हुई।**
- **भौतिकी में, प्रोफेसर नवीन कुमार निश्चल ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के विशिष्ट फेलो चुने गए और ऑप्टिका सम्मेलन 2025 के प्रोग्राम चेयर नियुक्त हुए।**
- **डॉ. ईश्वरन ने राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के अंतर्गत 10 करोड़ रुपये से अधिक की डीएसटी अनुदान प्राप्त की, ताकि शीत परमाणु आधारित क्वांटम मेमोरी विकसित की जा सके।**
- **रसायन विभाग में, डॉ. स्नेल चक्रवर्ती को सोसाइटी ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री इंडिया का संयुक्त सचिव** नामित किया **गया।**
- **मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में, डॉ. प्रियंका त्रिपाठी को चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट विज़िटिंग फेलोशिप (यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स) और यूसी एसोसिएशन फेलोशिप (जेआईआर) प्रदान की गई।**

अन्य कई प्राध्यापकों को भी सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। समयाभाव के कारण यहाँ सबका उल्लेख संभव नहीं है, किंतु विस्तृत विवरण पुस्तिका में सम्मिलित है।

इस वर्ष अवसंरचना में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है–366 कमरों वाला नया छात्रावास, 450-सीट वाला भोजनालय और ओलंपिक आकार का स्विमिंग पूल ('खेलो इंडिया' योजना के अंतर्गत), जो शीघ्र ही छात्र सुविधाओं को बढ़ाएगा।

माननीय शिक्षा मंत्री के सहयोग से, हमें एचईएफए ऋण की तीसरी किस्त ₹644 करोड़ की प्राप्त हुई है, जिसके अंतर्गत 12 नए शैक्षणिक और आवासीय भवन, दो शोध पार्क और एक अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास निर्मित किए जाएंगे।

आधुनिक केंद्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। साथ ही, 400-सीट वाला कंप्यूटर लैब और डिजिटल उन्नयन की दिशा में भी कार्य प्रगति पर है।

हमारे परिसर में बिहार सरकार और वन मंत्रालय की मदद से 10,000 से अधिक पौधे लगाए गए हैं, जिनकी देखभाल तीन वर्षों तक की जाएगी, तत्पश्चात यह जिम्मेदारी संस्थान को सौंपी जाएगी।

मैं हमारे माननीय मंत्री का इस अवसर पर आशीर्वाद देने हेतु हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

श्री नित्यानंद राय जी सदैव अपने आशीर्वाद और सहयोग से हमारे मिशन और दृष्टि को मजबूत करते रहे हैं।

श्री गिरिराज सिंह जी एक दूरदर्शी और गतिशील नेता हैं, जिनका योगदान न केवल बिहार के विकास में बल्कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर सफल बनाने में भी स्मरणीय रहेगा।

श्री शंकरानंद जी, शिक्षा प्रणाली और कौशल विकास के स्वतंत्र विचारक, का भी इस अवसर पर मैं हार्दिक स्वागत करता हूँ।

अंत में, मैं सभी विशिष्ट अतिथियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों और मीडिया प्रतिनिधियों का इस ऐतिहासिक यात्रा में स्वागत करता हूँ।

एक बार पुनः, मैं आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ।

जय भारत, जय आईआईटी पटना।

*****